भजन

तर्ज–कैसे मिजाज आपके

रहते हैं पिया साथ में ना घबराइए
रूह की नजर खोल उन्हें जान जाइए

1 सुनते हैं सदा रूहों की ,रूह जो भी कुछ कहें
दिल पाक से अर्ज तो करके देखिए

2 मिलते हैं उसी भेष में,जो दिल में अपने लो
दिल अपने में यकीन तो लाके देखिए

3 अवगुण ना लो किसी के ,गुण दिल में अब धरो
रहने यही है रूह की करके तो देखिए